**कार्यालय प्राचार्य**
**शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)**
**{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}**
नैक ग्रेड–ए, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788.2211688, फैक्स नं. 0788.2212030
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

**दिनांक 02.01.2016**

## प्रेस विज्ञप्ति

## सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता की अपार संभावनाएं

## साइंस कालेज में काउंसिल फॉर इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलेबरेशन की कार्यशाला सम्पन्न

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नवगठित उद्योग- अकादमी सहयोग परिषद (काउंसिल फॉर इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलेबरेशन, सी.आई.ए.सी.) के उद्घाटन अवसर पर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं विषय पर कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला में अतिथि वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा प्राधिकरण (क्रेडा) के मुख्य अभियंता श्री संजीव जैन, छत्तीसगढ़ इंडस्ट्रियल एण्ड टेक्निकल काउंसिलिंग सेंटर (सिटकॉन) के तकनीकी प्रमुख श्री प्रसन्न जी. निमोणकर तथा दुर्ग जिला कौशल विकास प्राधिकरण के सहायक निदेशक, डॉ. बी. मुखोपाध्याय उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में पहली बार किसी महाविद्यालय में काउंसिल फॉर इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलेबरेशन का गठन किया गया है।

सौर ऊर्जा में रोजगार के अवसरों पर प्रकाश डालते हुए श्री संजीव जैन ने छत्तीसगढ़ सहित समूचे भारत के ऊर्जा परिदृश्य का विहंगम विवरण प्रस्तुत किया तथा देश में ऊर्जा की खपत की मौजूदा स्थिति की चर्चा की। उन्होंने बताया कि वैश्विक मापदण्ड की तुलना में भारत में हालांकि प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत कम है, लेकिन देश में उत्पादित कुल बिजली का काफी हिस्सा वितरण की प्रक्रिया में नष्ट हो जाता है। इसलिए छत्तीसगढ़ जैसे पर्याप्त बिजली पैदा करने वाले राज्य सहित समूचे देश में बिजली के उत्पादन और उसकी खपत में अंतर बना रहता है। उन्होंने नये ऊर्जा कानूनों विशेष रूप से ऊर्जा संरक्षण अधिनियम 2002 के प्रावधानों की चर्चा करते हुये बताया कि शासन द्वारा एनर्जी ऑडिट, फिक्सड एनर्जी लिमिट, एनर्जी एफिशियेंट बिल्डिंग का निर्माण, डिमांड साइड मैनेजमेंट, ऊर्जा उपकरणों की स्टार रेटिंग आदि को अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही भविष्य में बनने वाले नये भवनों के लिए छत पर सौर ऊर्जा उत्पादन इकाई की स्थापना को भी अनिवार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बिजली की बचत करना आज सबसे बड़ा लक्ष्य है। इसके लिए ग्रिड से प्राप्त बिजली की बजाय सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायोमॉस ऊर्जा जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों को अपनाना आवश्यक है। घरों में छत पर सौर पैनल लगाकर घर पर ही अपना पावर हाउस बनाया जा सकता है। इससे ग्रिड द्वारा ऊर्जा वितरण में होने वाली क्षति से भी बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा ऊर्जा बचत के लिए व्यापक उपाय किये जा रहे हैं। इन उपायों में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के लिए मुफ्त एलईडी बल्ब का वितरण, सौर ऊर्जा पैनल लगाने पर सब्सिडी आदि प्रमुख हैं। शासन द्वारा ऊर्जा संरक्षण के उपायों को लोकप्रिय बनाने के लिए योजना बनाई गयी है, जिसके लिए 2022 तक बड़ी संख्या में प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकत होगी। इस हेतु सूर्य मित्र योजना लागू की जा रही है, जिसके तहत

चुनिंदा संस्थाओं में तीन माह के लघु अवधि पाठ्यक्रम के अलावा तकनीकी संस्थाओं में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित किये जायेंगे।

कार्यशाला के द्वितीय तकनीकी सत्र में सिटकॉन के श्री प्रसन्न निमोणकर ने उद्यमिता के व्यावहारिक पक्षों पर प्रकाश डाला तथा निजी उद्यम स्थापित करने के लिए किए जाने वाले उपायों का सिलसिलेवार विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने 'उद्यमिता के बीस चरण' शीर्षक अपने वक्तव्य में स्वरोजगार चयन, परियोजना प्रतिवेदन, पंजीयन, वित्तीय प्रबंधन, प्रौद्योगिकी व मशीनों के चयन, मानव संसाधन की पहचान, बिजली-पानी और ईंधन की व्यवस्था, कच्चे माल की पूर्ति, विपणन, मुनाफा, नुकसान से बचाव, आधुनिकीकरण और विस्तार आदि विभिन्न चरणों का विस्तृत रूप से विश्लेषण किया। उन्होंने अत्यंत रोचक अंदाज में प्रतिभागी छात्रों के साथ संवाद तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

तृतीय तकनीकी सत्र में डॉ. बी. मुखोपाध्याय ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा लागू किये जा रहे कौशल विकास कार्यक्रम की पृष्ठभूमि में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उद्यमिता एवं रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना की चर्चा की तथा इसके अंतर्गत लाइवलीहुड कालेज में संचालित रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर दक्षता विकसित कर लेना ही काफी नहीं है, बल्कि यह भी आवश्यक है कि उसके उपरांत स्वयं को रोजगार-सक्षम तथा उद्यमिता उन्मुख बनाना होगा।

प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अतिथि वक्ताओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला से प्रेरित होकर तथा समुचित प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यार्थी न सिर्फ सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे बल्कि छत्तीसगढ़ को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा उसके उत्तरोत्तर विकास में योगदान करेंगे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ. तिवारी, डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. शीला अग्रवाल, डॉ. एम.ए. सिद्दीकी तथा डॉ. जगजीत कौर ने किया। डॉ. अंजलि अवधिया ने अतिथियों का परिचय दिया तथा आयोजन के संबंध में संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा महाविद्यालय के काउंसिल फॉर इंडस्ट्री एकेडिमिया कोलेबरेशन के प्रतीक चिन्ह का लोकार्पण किया गया। डॉ. के. पद्मावती ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन भौतिकी के शोधछात्र युमन कुमार साहू ने तथा धन्यवाद ज्ञापन श्री ए.के. तैलंग ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अंजलि अवधिया ने किया तथा इसे सफल बनाने में डॉ. जय प्रकाश साव, सपना शर्मा, डॉ.के.पद्मावती, डॉ. नीरजा पाठक, डॉ. अनिता शुक्ला, डॉ. पूर्णा बोस, डॉ. एम. ए.सिद्दीकी, श्रीमती चेतना साहू, आरती चौधरी, निशा भोई, अश्विनी साहू, रामाधीन, संगीता साहू, प्रो. काजल किरण गुलहरे ने योगदान किया।

**प्राचार्य**
**शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर**
**स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)**

GOVT. V.Y.T. P.G. AUTONOMOUS COLLEGE
DURG (C.G.)
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग

Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg
Council for Industry-Academia Collaboration
Chair
Prof. S.C. Tiwari
Industry Coordinator
Shri A.K. Telang
Invited Speaker
Dr. Mukhopadhyay
Invited Speaker
Shri P. Nimonkar
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग